SIQE PROGRAM: BRIEF ON FIELD IMPLEMENTATION

RMSA ADPC Meeting on 21/07/2015

आधार-रेखा आंकलन

- मुख्य उद्देश्य:-
  - कक्षा के सभी बच्चों के विषयवार वास्तविक कक्षा स्तर की पहचान
  - बच्चों की आवश्यकताओं को स्पष्ट रूप से चिन्हित कर पाना शिक्षण-अधिगम योजना को बच्चों के वास्तविक कक्षा-स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने को आधार प्रदान करना

- आधार-रेखा आंकलन: मुख्य बिंदु (प्रक्रियात्मक):-
  - कक्षा - दो से कक्षा – पांच तक के सभी बच्चे
  - विषय
    - हिंदी
    - गणित
    - अंग्रेज़ी

आगे...

- आधार-रेखा आंकलन प्रक्रिया (प्रकार):-
  - लिखित आंकलन (विशेष रूप से कक्षा-स्तर अनुसार तैयार किये हुए लिखित प्रपत्रों के आधार पर)I
  - कक्षा – कक्ष अवलोकन (प्रत्येक बच्चे को विभिन्न स्तारीय गतिविधियो में सम्मलित करते हुए अवलोकन के आधार पर)I
  - इस प्रक्रिया को न्यूनतम 7 से 15 दिन लगेंगेI

विद्यालय अवलोकन बिंदु:-

- सभी बच्चों का आधार-रेखा आंकलन कर लिया गया है
- आधार-रेखा आंकलन की प्रक्रिया
- सभी बच्चों के कक्षा-स्तर रजिस्टर एवं अध्यापक-योजना डायरी में स्तर अनुसार लिखे गए है या नहीं
- प्रत्येक कक्षा में दोनों समूहों के लिए स्पष्ट योजना बनाई गई है या नहीं

आगे...

- आधार-रेखा आंकलन की ओन-लाइन फीडिंग
- ऑनलाइन फीडिंग टेबल
- इस टेबल को विद्यलाय में प्रदर्शित भी किया जा सकता है एवं प्रत्येक कक्षा में भी लगाया जा सकता है
- आधार-रेखा आंकलन की ऑनलाइन फीडिंग सुनिश्चित करें, कक्षा-स्तर के अनुसार स्कूलों का विभाजन भी किया जा सकता है और ऐसे स्कूलों को चिन्हित किया जा सकता है जिन्हें विशेष संबलन की ज़रुरत है।

सामग्री का प्रयोग एवं समझ

- सी.सी.ई-सी.सी.पी सामग्री की समझ:-
  - सामग्री अपने सीखने- सिखाने की प्रक्रिया को ठीक से नियोजित करने के लिए है
  - यह प्रत्येक बच्चे के स्तर, अवयश्कता एवं प्रगति की सुनियोजित रूप से समझने एवं संधारित करने के लिए है
  - इस का मूल उद्देश्य शिक्षण प्रक्रिया को बाल – केन्द्रित एवं पहले से बेहतर बनाना है ।
- सी.सी.ई.-सी.सी.पी. सामग्री मुख्य अवयवो की समझ:-
  - **विषय – वार पाठ्यक्रम एवं टर्म – वार अधिगम उद्देश्य पुस्तिकाए** (पाठ्यक्रम एवं अधिगम उद्देश्यों की समझ एवं आंकलन सूचकों के साथ इनके अंतर – संबंधो को समझना) I
  - **विषय-वार एवं कक्षा-वार अध्यापक योजना डायरी** (सतत आंकलन, बच्चों के स्तर के अनुसार योजना एवं उसकी समीक्षा कर बदलाव कर पाना एवं आंकलन और अधिगम उद्देश्यों के आधार पर शिक्षण में समग्रता लाना) I
  - यह सी.सी.ई. एवं सी.सी.पी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण अंग है क्योकि यही आंकलन को सीधे एवं सतत रूप से शिक्षण से जोड़ता है ।

आगे...

- प्रत्येक बच्चे का पोर्टफोलियो भी इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण अवयव है (प्रत्येक बच्चे द्वारा किया गया कार्य संधारित होना है जिस पर शिक्षक टिपण्णी जिस में बच्चे को किस प्रकार की मदद की ज़रुरत है स्पष्ट रूप से अंकित किया गया हो) I

- **विद्यालय अवलोकन बिंदु:-**
  - सामग्री की उपलब्धता
  - सामग्री के प्रकारों की जानकारी उनके प्रयोग एवं मूल उद्देश्यों की समझ
  - सामग्री का कक्षावार वितरण
  - रजिस्टर एवं अध्यापक योजना डायरी में बच्चों के नामों को दर्ज करना ्अध्यापक योजना डायरी में योजना एवं आंकलन दर्ज करने की शुरुआत
  - बच्चे वार पोर्टफोलियो निर्माण
  - पोर्टफोलियो में बच्चों के आधार – रेखा आंकलन प्रपत्रों का संधारण एवं उन पर टिप्पणी

विषयवार कार्यशाला आयोजन

- माह अगस्त में सी.सी.ई. ब्लाक में क्लस्टर स्तर पर एवं अन्य ब्लाक में ब्लाक स्तर पर इन कार्यशालाओ का आयोजन किया जाना है
- विषयवार कार्यशालाओ की तैयारी के मुख्य-बिंदु:
  - सी. सी. ई. ब्लाक में SSA के साथ समन्वयन ृ
  - कार्यशालाओ के लिए MT समूह का निर्धारण ृ
  - सभी डाइट सदस्यों की तयारी एवं उनकी स्पष्ट ज़िम्मेदारी निश्चित करना ृ
  - सभी कार्यशालाओ का सुव्यवस्थित टाइम – टेबल बना कर 'जिला कमेटी द्वारा' अनुमोदित करवाना
  - कार्यशालाओ की समय – सारणी से सभी विद्यालयों को सूचित करवाना ृ
  - ज़िला के.आर.पी., डाइट एवं बोध/यूनिसेफ के डी.एस.एफ. की मदद से सभी एम.टी की पूर्व – तैयारी सुनिश्चित करना
  - कार्यशालाओ की मोनिटरिंग की समुचित व्यवस्था ृ ;सभी पदाधिकारियों की ज़िम्मेदारिया)
- प्रथम कार्यशाला (चर्चा के मुख्य बिंदु)
  - सी.सी.ई. एवं सी.सी. पी. की प्रक्रिया की समझ
  - आधार दृ रेखा आंकलन
  - सी.सी.ई एवं सी.सी.पी. के अंतर्गत दस्तावेजीकरण की समझ
  - शिक्षण – आंकलन योजना ृ

आगे...

- कार्यशाला अवलोकन:-
  - उपस्तिथि की स्थिति
  - निर्धारित एम.टी. की उपस्तिथि
  - सी.सी.ई. एवं सी.सी.पी. से जुड़ी सामग्री
  - सत्र-वार तैयारी की स्थिति
  - शिक्षको को कोई अन्य सामग्री दी गयी है (नोट, कार्यपत्रक, योजना के नमूने या कोई शिक्षण – अधिगम सामग्री)
  - चल रहे सत्र का प्रकार (निर्देशात्मक, गतिविधि आधारित या प्रश्नोत्तर इत्यादि
  - शिक्षको के सुझावों को दर्ज करने की व्यवस्था
  - शिक्षको के साथ सीधे रूप से संवाद करे और कार्यक्रम के उद्देश्यों, प्रक्रियाओ एवं आगे की जाने वाली गतिविधियो से अवगत कराये (इस बात चीत के दौरान स्रोत – पुस्तिका के अध्यन पर विशेष बल दे)

प्रपत्र (अ) विद्यालय में बच्चों के शैक्षिक स्तर की स्थिति

विषय	कक्षा – 1			कक्षा – 2			कक्षा – 3				कक्षा – 3					कक्षा – 5					
	नामांकन	शाला पूर्व	कक्षा	नामांकन	कक्षा		नामांकन	कक्षा			नामांकन	कक्षा				नामाकंन	कक्षा				
			1		1	2		1	2	3		1	2	3	4		1	2	3	4	5
हिन्दी																					
अंग्रेजी																					
गणित																					
प. अध्ययन																					